



स्वयान कौके
पहुरा थारु दैनिकके अनलाइन न्यूज
ओ ओकरभिट्टर डारल इ-पेपरमे
देशविदेशसे हमार अनलाइन न्यूज
ओ पत्रिका पहे सेक्वी ।

थारु भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक

भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा



PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय
नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने
काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा
अन्त्य गरौं ।



नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २४ अंक ९२ वि.सं. २०८३ कार्तिक ०१ गते अँट्वार

थारु सम्वत (२६४९) [Sunday 18 October 2026]

(मोल रु. ५ ।- पेज ४)

कार्तिक २ गते थारु समुदायके ढिक्कहवा

आरके थारु एण्ड संघाती डसिया सांस्कृतिक प्रस्तुती



पहुरा समाचारदाता
धनगढी, ३१ कुँवार । कैलाली ओ
कञ्चनपुरके थारुहक्के असौँक डसैं
कार्तिक २ गते ढिकरी पुज्ठी ढिक्कहवा मनैना
हुइल बटे ।

इ साल कार्तिक १ ओ २ गते
१महाअष्टमी/शुल्क अष्टमी० पलंक ओर

से कार्तिक २ गते ढिक्कहवा मनैना निर्णय
करल हुइल । कैलालीके अधिकांश थारु
बस्तीमे कार्तिक २ गते ढिक्कहवा मनैना
कहिके बरघर भलमन्सा समितिसे निर्णय
फेन करगैल बा ।

धनगढी नगर भलमन्सा समितिके
अध्यक्ष रोहित चौधरी फेन असौँक डसैंक

ढिक्कहवा कार्तिक २ गते मनैना निर्णय हुइल
बटैलै । उहाँके अनुसार इ सालके डसैं
कार्तिक १ गते पैनसटोपी ढोइना, कार्तिक
२ गते ढिक्कहवा, कार्तिक ३ गते पिट्हुवा,
कार्तिक ४ गते टीका लगाके डसैं मनैना
निर्णय हुइल अध्यक्ष चौधरी बटैलै ।

लम्कीचुहा नगरपालिकाके बरघर

भलमन्सा समिति फेन कुँवार २२ गते डसैं
मनैना निर्णय कैटी इ सालके डसैंक
ढिक्कहवा कार्तिक २ गते रहल जनैले बा ।
अध्यक्ष दशराम थारुके अनुसार कुँवार
२६/२७ गते जेउरा ढर्ना, कुँवार ३१ गते
भोल भर्ना घर अंगना सफा कैना, कार्तिक
१ गते पैन ढोइना, २ गते ढिक्कहवा, ३ गते
पिट्हुवा ओ ४ गते टीका ओ कार्तिक ५
गते नगर भलमन्सा टीका लगैना निर्णय
करल जनैलै । थारु बुद्धिजीवी दिलबहादुर
चौधरी फेन इ सालके डसैंक ढिक्कहवा
कार्तिक २ गते रहल बटैलै ।

उहाँ कार्तिक १ ओ २ गते अष्टमी
परल ओरसे २ गते ढिक्कहवा, ३ गते नवमीके
डिन पिट्हुवा ओ ४ गते विजया दशमीके
रोज टीका लगाके डसैं मनैना बटैलै ।
उहाँ खास कैके थारु समुदायके अष्टमीके
रोज ढिकरी पुजा, नवमीके डिन पितृ
पुजा ओ बली डेना ओ दशमीके डिन
टीका पर्ना हुइल ओरसे फेन कार्तिक २
गते इ सालके ढिक्कहवा मनैना उचित र
हल बटैलै ।

उहाँर कञ्चनपुरमे फेन कार्तिक २
गते ढिक्कहवा मनैटी रहल पत्रकार लक्ष्मी
चौधरी जानकारी डेली । कैलाली,
कञ्चनपुर लगायत देउखरमे कार्तिक २
गते ढिक्कहवा मनैटी रहल बेला दाड ओ
बर्दियामे भर कार्तिक १ गते ढिक्कहवा मनैना
हुइल बटे ।



पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ३१ कुँवार । संस्कृतिके
भन्कारसंगे मानव सेवा ओ परोपकार
रसुवा बाढपीडितके सहयोगार्थके लाग
धनगढीमे आरके थारु एण्ड संघाती
डसिया सांस्कृतिक प्रस्तुती हुइना बा ।

मिटुस घोडगी स्टेशन प्रालिके
आयोजनामे थारु कला, संस्कृति, भाषा,
संगीत तथा स्थानीय प्रतिभाके प्रवर्द्धन
कैना उद्देश्यसहित ओम प्यालेस,
नयाबजार, धनगढी, कैलालीमे आरके
थारु एण्ड संघाती डसिया सांस्कृतिक

प्रस्तुती हुइल हो ।

डसियाके उल्लासहे संगीत,
संस्कृति ओ सामाजिक सेवासंग जोरना
उद्देश्यसे सुदूरपश्चिम ओ लुम्बिनी
प्रदेशके टमान समुदायहे लक्षित करके
उ सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजना
करल बा ।

कार्यक्रममे लोकप्रिय थारु गायक
तथा गीतकार आरके थारु संघाती
ब्याण्डके विशेष सांगीतिक प्रस्तुति रहल
रहे । साथे गायिका तथा मोडल अञ्जु
कुशमी (फूलकुमारी), (बाँकी, ३ पेजमे)

धर्म, संस्कृति र परम्परालाई सम्मान गरौं

- ❖ चाडपर्व मनाउँदा अनावश्यक तडक-भडक नगरौं,
- ❖ चाडपर्व सभ्य, शिष्ट र मर्यादित रुपमा मनाऔं,
- ❖ धार्मिक, सांस्कृतिक संस्कारलाई निरन्तरता दिऔं,
- ❖ एक अर्काको चाडपर्वप्रति सम्मान गरौं ।

सामाजिक सदभाव र सहिष्णुता कायम गरौं ।



धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय

धनगढी, कैलाली, सुदूरपश्चिम प्रदेश

धर्म, संस्कृति र परम्परालाई सम्मान गरौं

- ❖ चाडपर्व मनाउँदा अनावश्यक तडक-भडक नगरौं,
- ❖ चाडपर्व सभ्य, शिष्ट र मर्यादित रुपमा मनाऔं,
- ❖ धार्मिक, सांस्कृतिक संस्कारलाई निरन्तरता दिऔं,
- ❖ एक अर्काको चाडपर्वप्रति सम्मान गरौं ।

सामाजिक सदभाव र सहिष्णुता कायम गरौं ।



कैलारी गाउँपालिका
गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय

कैलारी-१, हसुलिया, कैलाली

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित

सठपाढक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)

कार्यकारी सठपाढक : राम दहित (९८४८४९४५१८)

भाषा सल्लाहकार : दिलबहादुर चौधरी

पहुढा सठपाढक : कृष्णराज सर्वहारी

व्यवस्थापन सल्लाहकार : राजकुमार चौधरी

प्रधान कार्यालय: धन.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)

मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)

पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)

प्रधान कार्यालय धनगढी

E-mail: dailypahura@gmail.com,

Website: pahura.com

मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

.....सम्पादकीय

उस्या शुभ रहे, शुभकामना बा

कुँवार २५ गते घटस्थापनासँगै उस्या सुरु हुइल बा । घटस्थापनाके दिनसँगै टिकक् दिनसम नवरात्रि कहि जाइठ । मने आम नेपालीन्से बिकुल फरक बा थारु समुदायके उस्या । घटस्थापना सव्व थारुन्मे नैहो, बेन इहि डुटिया हेर्ना डिन कहिजाइठ । बहुट जाने डुटिया हेर्लक बिहान किल जेंउरा ठाँ । याने कि घटस्थापनाके बिहान किल बहुटसे थारु जेंउरा ठाँ । घर सरसफाइ करना, लिपपोट कर्ना डिनहे भोल भरैना डिन, ओकर पाछे ढिक्रि पुज्ना डिन ढिक्रहवा, टब मुर्गि पुज्ना डिन ओ अन्टमे टिका मान्के थारुन्के उस्या ओराजाइठ । पहाडिन्के टिका पुर्णिमा (ओजरिया) सम रठिन, मने थारु टिका टिकक् रोज उठल टे उठल । उसैहा टिका कहटि कि गुर्वक् घर लगाजैना ओ बरघर, भलमन्सक घर लगा जैना सामुहिक टिक बरा महत्वपुर्न रहठ । इहे टिका लगायटके अवसर टे बाँढठ, थारु समुदायहे एकटाके लसरिमे ।

मने थारुन्के उस्या फेन आव ढिरे ढिरे नेपालिकरन हुइटि बा । हम्रे सुभकामना लेहेडेहे बेर उस्यक् सुभकामना नाहि, विजया दशमीके शुभकामना कहे डुँटल बटि । हमार भन्सम् आव ढिक्रि नाहि, मोमो आइ लागल बा । सख्या नाचक् मन्ड्रक टार हेरैटि बा, उहाँ डिस्को डान्सके ठुम्का आइ लागल बा । अपन घरक् मिठैहा डारु, गुरि गुरि जाँरक् भोरके सटहा आव बियरके बिक्रि आ सेकल बा । डेउटन टे चहैठि, प्रसाड काजे नै चिख्ना कहिके बिहानिसे टाँटा भिजुइया युवन्के लाइन बा । हमार डेवडुर्गन् नाउँभरिक छाँकिबुँडि, जेंउरा बेबरि टे चहैठि, मने उ डेवडुर्गन्के नाउँ का हुइन् ? ओइन डेहरारके पाटामे काजे ठान डे गैल बा ? यकर बारेम् युवालोगन कुछ ठाहा नैहो । उस्यामे उज्जर टिका लगैना थारुन्के पुरान चलन हो । मने आव लाल टिका ठाउँ ले सेकल । पुर्खन् काजे उज्जर टिकाके सुरुवाट कर्ले रहिट । यकर खोजबिन करि । सकेसम उज्जर टिकाहे जो ठाउँ डि ।

अपन गोभुक हालट का बा, बिना टटोरले उस्या जैसिन टिउहारमे रिन सापट कैके हाइफाइ कैना चलन फे बा । उस्याहे पारिवारिक मिलनके रुपमे मनाइ । गाउँ सुहारके प्रसंगमे मनाइ । ठोरचे सिसि पेटेम जैटि कि भग्राभाँटि कर्ना, उसा निम्ट्यइना काम ना करि । उस्या कि उसा ? कना अवस्था ना आए । उस्यक सक्हुन सुभकामना ।

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ३ कान्तिपुर टोल स्थित कित्ता नं. ८७६ क्षेत्रफल १६९.३२ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री निर्मला भट्टले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईंको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबूत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सूचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्व: मिना मल्ल	पश्चिम: विष्णुबहादुर सुनार
उत्तर: सडक	दक्षिण: जनकराज जोशी

धनगढी उपमहानगरपालिका

नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

थारुन्के मरुवा ओ पहिचानके खोजी

विषय प्रवेश

हर साल जेठ असार महिना सुरु हुइलागे टे हमार आज्ञा घरक सक्कु लर्कन बाज ओ लसुन गुठके घेंचामे माला घलाडेहे । महीन सम्भन्ना बा, मै ६ कक्षा पढटसम (वि.स.२०५१ सालटक) मोरीक घेंचामे बाज ओ लसुनके माला परल रहे । उ समयमे थारु समुदायके छोटछोट लर्का सबजाने बाज ओ लसुनके माला घालिट । घाम महिना सुरु हुइटि किल गाउँभरिक मनै डराइ लागिट । गाउँभर हल्ला सुनजाए, सक्कु ओहोर खडेरी परना हस बा, पशिछुँ, उखिखन ओरसे हैजा फैलटा । चौकीडरवा गाउँमे हाँक पारे- आपन आपन लर्कन घरेसे बाहर ना निकरेडेहो । मास मछरी ना खाइडेहो । लसुन प्याज ढेर ढेर खवायो, हैजा नै लागी ।

थारु समुदायके देउठनुवा

गाउँक मनै छलफल करिट । असौक पुजैया कै ढारी । ठान नै पाके गा'उक देउता रिसाइ सेकठा । केक्रमे भूत, वोक्सीन ना लागिट, सुख्खा खडेरी लागके गाउँक मनैन भूँछे पियासे ना बैठक परे । हैजा, महामारी ना-फैले । हमार गाउँमे भूइचाल, बाढी, पहिरो, आगलागीक घटना ना हुए । ऐसिन आपत विपत पर्नासे पहिलेहे कौन मेरिक पुजैया कैना हो ? यी साल फेन कै ढारी । मोरीक बुदु ककण्डरवा (बरघर) हुइलक ओरसे सक्कु घरक गरदुरिया, घर परट एक एक जाने पुजैया करक लग हमार घर जुटिट । छोट-छोट लर्कनहे घर घरसे चिनी ओ अण्डा उठाइ पठाडिट । केउ सरीक घेटरु केउ छेगरीक पठरु, केउ भेरीक पाठा खोजे जाइठ । चार-पाँच जाने चहल, सिकहर, भट्टा लेले जाँर मिलाइ जाइठ । बुहाइल-बुहाइल मनै भर किच्ची माटि नानके ओबरामे बैठल माटिक घोरी पारिट ।

सन्भत्ता ३/४ बजे गाउँभरीक सक्कु गरदुरीयन मरुवम् जुटके पूजा करे बैठिट, गुरै पाटि करिट । छेगरी, पठरु, सुवर, मुर्घी काट-काट चहाइट । घर-घरसे उठैलक जा'र डारु पिडिट । पुजैयक मिलावन सिकार, डारु उहे मरुवाठन खा पिके ओरवाके आपन आपन घरेओर लागिट ।

जमाना कइ पुस्ता विट्सेकल । आधुनिक जमाना, सबजाने छोट परिवारमे बैठक मन पराइ लग्नाँ, बजार स्कूल, अस्पतालके सुविधा पाइलग्नाँ, आहर बाहर कमाइ जाइ लग्नाँ, ढिरे ढिरे मानसिक सोचाइमे परिवर्तन आइलागल । गाउँक मरुवा, घरक देउता पर रहल मूल्य मान्यता, विश्वास हेरैटि जाइलागल । गुरै पाटि कैना ओ करवइना परम्परा अन्धविश्वास हो कहे लग्नाँ ।

गुरुवा बलाके भारफुक करवइना, पाटि बैठवइनक सट्टा बजारिया औषधी चले लागल । सामुहिक रुपमे मरुवम् जाके पूजा कैनाक मतलब हेराइ लागल । मरुवामे पूजा नैकैलेसे फेन थारु समाज सहज टरिकासे चले लागल । मरुवाठान रहलक ठाउँमे शिव पार्वती, गणेशके मन्दिर बने लागल । ठाउँ-ठाउँमे ध्यान

कैना चर्च, जय गुरुदेवके घर, सीताराम, फु-मन्टरके आश्राम बने लागल । लौवा पुस्ता लहु बतासा, फुला माला लेके आपन आपन गुरुहे पुजे जाइ लगला । लेकिन मरुवा संरक्षण कैना केउ नै चातो डेखाइ लगला । कहुँ-कहुँ टे आपन आर्थिक स्वार्थके लग मरुवामनिक देउता फेन चोरी करेलगला । आपन घरक कुल देउता ढकियामे उठाके कुलवा लडियामे पुहाडेहे लगला (चौधरी, २०६८) । जयगुरुदेव, फु-मन्टर क्रिश्चियन, ॐ शान्ति बनल घरक मनै टे यी मरुवक काम नै हो, हम्रे आप पुजैया नै करे जाब कैहके बहिष्कार करे लगला । टब्बो पर जियट जागट बुहाइल बुहाइल बुदु, बाबन् जुटके मरुवाठानमे पुजैया करटि बटौ ।

पुर्खन्के पालमसे चलिट अइलक पूजा पाठ कैना ओ मरुवाठान पर विश्वास हेरैटि गैलेसे फेन मरुवाठान (भूइह्यार) थारु समुदायके सामाजिक, साँस्कृतिक जातीय पहिचान बनेना भूमिका खेल्ने बा । धनगढी उपमहानगरपालिका ५ स्थित सुदूरपश्चिम साहित्य समाजके भवनके पञ्जरे रहल थारु समुदायके ठानुवा ।

परिचय

मरुवाठान- थारु समुदायके मन्दिर/थारुन्के देउता हे बैठेना ठाउँ । गाउँभरिक मनै सामुहिक रुपमे पूजा करकलग गाउँक बिचचे मरुवाठान/डेउठनवा (भूइह्यार) बनैले रठा । ओस्टके आपन कोल्काहा अर्थात् घरक मनै किल पूजा करकलग ओ घरक कुल देउता ढारक लग घरक भित्तर डेहुरार ओ अडगनामे छोटनक मरुवा बनैले रहठा । गोत्र हेरके केउ घरक उत्तर पुरुब कोन्वम् डेहुरार बनैले रहठा टे केउ दक्षिण पश्चिञ्च कोन्वम बनैले रहठा । ओस्टके गोत्र हेरक डेहुरारमे गुर्वावा, मैया, खेखरी, लागुवासु, चैटिक पड्ड्या, सौरा, बेंट, भोन्या, भँरवा, धोरवा, डहरचण्डी, चबहवा गुनी, लटौ महाडेव, खेटरपाल, डख्नी भवानी, रिख्या सुच्चा, ढमरज्वा, मड्वा, जगन्नठ्या, ढनचोरवा देउता ढैले रहठा । मरुवाठान थरुहट क्षेत्रके दाड, बाँके, बर्दिया, कैलाली, कञ्चनपुर जिल्लामे रहलक सक्कु थारु गाउँमे बनाइल रहठ । छोटनक घरहस, डवार, टाँटि नैलगाइल, चारुओर खूल्ला छोरल, सरसफाइ नैपुगल, बिचचेमे मनैन्के अंग्रीहस बनाइल कठवा गारल यी मरुवाठानमे प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष रुपसे २२ मेरके देउता ढैल रहठा । बदरी, बयाल, पानी, बरखा, धर्ती, आकाश, वनुवा सृष्टि कैलक सृष्टिकर्ताके रुपमे गुर्वावा ओ सक्कु चीज संरक्षण कैना संरक्षणकर्ताके रुपमे डहरचण्डी (रजावर मरुवाक सबसे भारी देउता), भुठरु मसान, मुरहा मसान, बहिरा रक्सा, जगन्नठिया, भँरवा, पा'चो पाण्डो, पूर्वी भवानी, वनुवा, बाघेश्वरी, गवरिया, कोटिया, करैयाकोट, बडेलवा, कुड्या पानीक देउतांक नाउँसे पूजा-पाठ हुइठ (विस्तृत जानकारीके लग कृष्णराज सर्वहारीके थारु गुन्वा र मन्त्र ज्ञान २०६९ किताब हेरे सेक्बी) । पुरुब ओरिक् थारु फेन मरुवाहे गोर-राजा कैहके पूजा-



पाठ कैना ।

थारु समुदाय, विश्वव्यापीकरण, आधुनिकीकरण, राज्यके नीति नियमसे सबसे ढेर पीडित बा । आपन समाजके संस्कार, साँस्कृतिक महत्व ओ वैज्ञानिकता बुझे नैसेक्के धार्मिक परिवर्तनमे लागल बटा ।

गाउँभरिक मनै सक्कु जाने मिल्के मरुवाठानमे जुटके पुजैया कैना चलन पुर्खनके पालामसे चलिट आइल बा (विष्ट २००५) । लावा साल सुरु हुइटिकिल डिहवा, खेट्वा कोरेवेर, जोटेवेर चोट नालागी, हाँठ-गोर ना टुटि कैहके माघ महिनम लरैया पुजैया, खेट्वा लगैनासे पहिले बैशाख-जेठ महिनामे दुरिया पुजैया, कीराकाँटि नाकाटिट, खाँज खुञ्जली (महामारी) नालागी कैहके असार महिनाम रेन्भी पुजैया, डिहवा मनिक मकै ओ खेट्वा मनिक धानेम गान्धी कीरा नालागी, हरदम खेट्वा डिहवा हरेर (काइल) रहे कैहके भदौ महिनम हरेरी पुजैया, उब्जनी सालभर खाइ पुगे, चोरी-चाकारी नाहुए कैहके अधनमे लवांगी पुजैया करता । ओस्टके भोजेमे, माघमे डश्यम फेन आपन आपन गोत्र हेरके पूजा करता ।

मरुवक धार्मिक महत्व हुइलक ओरसे एकर बनावतमे सुधार अइटि बा । पक्की घरेम देउतनके बास नैहुइठ कना थारु समुदायके विश्वास रहलेसे फेन मरुवामे टिन (जस्ता पाता) लगाइल डेख्जाइठ । मरुवा परिसरमे शिव मन्दिर फेन बनाके पुजे लल्ला । एक तल्ला मरुवाहे दुइ तल्ला बनाइ लगला (सर्वहारी, २०६९) । टब्बो पर बिडम्बना माने परठ, मरुवक सरसफाइ नैपुगल हो । हर सोमवार लिपपोट कैके दुध ढरकैना चलन हेराइटा ।

सामाजिक सम्बन्ध

इटालियन समाजशास्त्री/मानवशास्त्री मार्टिनो निकोलटटि आपन किताब “Spirit Possession in the Nepal Himalayas?” मे लिच्छा “कौनो फेन समाजके संस्कार, संस्कृति बनाइक लग ओइने मन्ना धर्म, ओइने कैना पूजापाठमे भर परठ (निकोलटटि, २०६२) । संस्कार, संस्कृति अक्के मेर हुइठ टे एकठो समाज बनठ । प्रत्येक समाजके आपन आपन आत्मा, आस्था, विश्वास, रितीरवाज ओ संस्कार रहठ । थारु समाजके वास्तविकतकता यिहे हो । पुरुबसे पशिछु टक रहल ठारु समुदायके गोत्र फरक-फरक रहलेसे फेन आस्था, विश्वास, संस्कार,

रितीरिवाज मिल्क ओरसे सक्कु जाने थारु समुदाय हमार कैहके गर्व करठी । यिह क्रममे प्रो. म्याकडोनल्ड के कहाइ बटिन “थारु समुदायके समाज विकास हुइवेर मरुवा ओ गुरुवक सबसे ढेर भूमिका रहिन । गाँउक मरुवम् गुरुवा मनै पुजैया कैके आपन बोली वचनसे बेरमहियन ठीक पार पारडिट । गाँउक सिमाना बाँधके खाँज खुन्जली रोके सेक्ना भूमिका खेलिट । आभुक प्रमाण हेरके भविष्यक वारेम सुभावा सल्लाह डेहठा । विटल समय, अभुक दिन ओ अइना दिनमे जियट मरटसम हर व्यक्ति ओ समाजके वीच रहलक विश्वास ओ अन्तर आत्माहे समायोजन कैके रोग ठीक पारडेहठा । ओस्टके दिन प्रितदिन अन्तरआत्माहे व्यवस्थापन ओ नियमित बनाइक लग पूजा कैना मरुवा ओ पूजा करवाडेहना गुरुवा हुइ परठ । हम्रे विश्वास कठी “मनैन्के आत्मा कब्बो फेन मरके नैजाइठ”, आत्मा टे केवल जनम लेके मृत्यु हुइवेर एक जनहन मनसे डोसर जनहनमे पैठठ । रगतके सम्बन्धसे भौतिक शरीर निर्माण हुइठ लेकिन आत्मा विगतके अनुभवसे सरठ । हम्रे आपन पुर्खन्के एकठो अंग हुइटि । पुर्खन्के देउता ओ ओइनके विश्वाससे हम्रे अरगराइल बटि । बाबन्के पुर्खन्से पैलक रगत ओ डाइनके पुर्खन्से पैलक दुध डुनु उटने ही महत्व ढैलेरहठ (म्याकडोनल्ड १९६६) ।

सामुहिक आत्मा, सामुहिक आस्था, भूत, प्रेत उपर कैना समुदायिक विश्वास, घर-परिवार, छर-छिकमे कैना संस्कार बनैना ठाउँ मरुवाठान बनल रहे । बाबा, बुदुनके पालामे पहल, लिखल मनै कम रहिट, डवाइ पानी कैडेहना अस्पताल बनल नै रहे, डगर, पुल बनल नै रहे । हर साल हैजा, निमोनिया, मलेरिया लागके ढेर जनहन अकालमे ज्यान गँवाइ परीन । चारुओर बाघ, भालु, हाँठी, घोडा जैसिन जंगली जनावर, साँप, बिच्छी, गोजर, चिस्टा, गान्धीन्के डर रहिन । गाउँघरमे देउता भुसियइठा टे ऐसिन मेरके दुःख आइठ, ढेर पहलेसे मनै बौरा जैना, गुराइ पाटि कराके रोगी भोगी चोखइना विश्वास रहे । जेकर कारण हमार पुर्खा देउताहे मनाइकलग, खाँज, खुन्जली भगाइक लग, थारु समुदायके आत्मा बल्गर बनाइकलग एकजुट हुके गाउँमे मरुवा बनाके पूजा पाठ करे लगला । गुरुवाहे बलाके रोगीयाहे भारफुक कराडेना, जडीबुटि खवाडेना, मरुवामे सबजाने जुटके (बाँकी ३ पेजमे)

जरूरी टेलिफोनके प्रायोजक:		
हमार यहाँ बोइलर मुर्गानिके मासु सुपथ सोलमे मिलठ । सेवा कर्ना सौका अवश्य देहबी ।	इप्राका अतरीया ०९१-५५०१९२ जिनगर प्रहरी चौकी ०९१-५२११८३ जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५३ इप्राका मसुरिया ०९१-४०२०१४ इप्राका चौमाला ०९१-६९२५७१ इप्राका लम्की ०९१-५४०१९९ इप्राका मजनी ०९१-५८०१९९ इप्राका सुखड ०९१-५२११६६ इप्राका मालाखेली ०९१-५४२०१२ इप्राका फल्ठुरे ०९१-६९०३३० इप्राका हसुलिया ०९१-५२९१४५ इप्राका पाण्डौन ९७४९०१४९०५ सिमा प्रहरी चौकी बहलिया ०९१-५२९२०६ इप्राका टीकापुर ०९१-५६०१९९ स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ५२६९२८	नेपाल बगलादेश बैंक ०९१-५२१७८५ सिडिजिन बैंक ०९१-५२७४८५ कुमारी बैंक ०९१-५२६०३८ सगरमाथा बैंक ०९१-५२४८५० नेपाल इन्वेस्टमेन्ट बैंक ०९१-५२३७०६ एनएमबी बैंक लि.०९१-५२१२१६ सरकारी कार्यालय जिल्ला प्रशासन .०९१-५२११०१ जिल्ला विकास .०९१-५३३५६० नगरपालिका .०९१-५२१४२९ मालपोत.०९१-५२१२०१, लापी शाखा.०९१-५६०४०२ कृषि विकास .०९१-५२२२५५, भूमि सुधार.०९१-५२१२५४ जिल्ला हुलाक.०९१-५२११५२, नेपाल बाल संगठन: ५२३६६५ अस्पताल सेती अञ्चल.०९१-५२१२०१ नवजिवन ०९१- ५२१२३३/५२७३३३ विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-५२३४३५ पदमा धनगढी ०९१-५४०३५५ सेवा नर्सिङ होम अतरीया ०९१-५५४०१७ एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१ घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४०७७ टीकापुर अस्पताल ०९१-५२६०५०
एम्बुलेन्स नम्बर ९८२४६८९७५७, ९८५८४३७०१८, ९८१४६८०८०५६, ९८१४६८०००६८,९८१४६६०२८५	प्रो.रमेश चौधरी केभी मासु पसल बैयाबेहडी चौक, धनगढी कैलाली शाह उर्माव लगे मो. ९८११६३५६८०	दमकल १०१ नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-५२१३३३ कैलाली उ.वा.संघ ५२१२३७, ५२३१७१ एम्बुलेन्स : ५२५६०० सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८८४५७५७० विजुत : ५२११४५ दिनेश मेडल ०९१-५२१२९२ होटल डिजोटी ०९१-५२३९१८/५२५१३१ जगदम्बा०९१-५२३५९०, विमो०९१-५२३२७३ तरुण ०९१-५२५६९३, सल्लाईट०९१-५२१५३६ वर्ल्ड लिंक धनगढी: ५२०१५१ बालबाला०९१-५२२८३०/५२७१९० नेपाल पत्रकार महासंघ : ५२७१२२ शैक्षिक संस्था कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१२२३ सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-५२३१९२ ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१०७९ राजनैतिक पार्टी नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ५२५१५५ नेकपा (एमाले) कार्यालय : ५२१०१० बसपार्क काउन्टर धनगढी : ०९१-५२१२५२ एफ.एम दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ट्ज धनगढी: ०९१-५२६७०१

प्रदेशके अधिकार ओ संघीयता कार्यान्वयनमे मुख्यमन्त्रीनूके साभा चासो

मोरङ, ३१ कुँवार । कोशी प्रदेश सरकारके आयोजनामे मंगरसे विराटनगरमे अन्तरप्रदेश मुख्यमन्त्री सम्मेलन सुरु हुइल बा । उद्घाटन समारोहमे मुख्यमन्त्रीहुके मन्तव्य रछटी सहकार्य, समन्वय ओ सहअस्तित्वहे जोड डेले बटै ।

सम्मेलनमे कर्णाली प्रदेशके मुख्यमन्त्री मङ्गलबहादुर शाही संघीयतासे प्राप्त उपलब्धिके रक्षा कैटी लोकतन्त्रहे बलगर बनाइ पर्ना धारणा राखल रहित । उहाँ कतिपय पूरा हुइ नैसेकल जनअपेक्षामे टेकके भ्रम सिर्जना करल बटैटी तथ्यगत रूपमे भ्रमहे चिरटी समृद्धिके उगारामे आघे बहे पनामे जोड डेलै ।

लुम्बिनी प्रदेशके मुख्यमन्त्री चेतनारायण आचार्य संघीय सरकारसे नेपालके संविधानसे निर्दिष्ट करल अधिकार हस्तान्तरण कैना आलटाल करल बटैलै । उहाँ प्रदेशके अधिकार हस्तान्तरण कैना विषयमे संघीय सरकारसे नजरअन्दाज करल चर्चा कैटी प्रहरी ऐन ओ निजामती ऐन हाली लन्ना आग्रह करलै ।

गण्डकी प्रदेशके मुख्यमन्त्री सुरेन्द्रराज पाण्डे संघीयताहे बलगल बनैना ओर इहीसे आघक सरकारके नेतृत्व करल दलसे नैसेकल चर्चा कैटी घरी घरी आवाज उठाइबर फेन आश्वासन किल पाइल उल्लेख



करल बटै ।

उहाँ कहलै, “कतिपय अवस्थामे अइसिन लागठ किल तत्कालीन अवस्थामे संविधान लिखना ओ उ बेलाके विद्रोह उबाइक लाग किल संघीयता बनाइल हो कि, नैटे काहे अइसीन अधिकारविहीन बनागैल ?”

अहिले प्रदेश संरचनाउपर प्रहार हुइटी रहल चर्चा कैटी उहाँ प्रशासनिक खर्च अन्य तहके तुलनामे न्यून हुइलेसे फेन उहीहे उज्जर हठिया कहिक चर्चा कैना करल बटैलै ।

बागमती प्रदेशके मुख्यमन्त्री किरण थापा जलवायु परिवर्तन ओ उहीसे पारल प्रभावके विषयमे प्रदेश सरकारके धारणा ओ नीति अक्के हुइ पर्ना चर्चा कैटी जलवायु परिवर्तनके मुद्दामे प्रदेश एक हुइ पर्नामे जोड डेले बटै । मुख्यमन्त्री थापा जलवायु परिवर्तनसे उत्पन्न हुइना क्षति न्यूनीकरणके लाग

प्रदेशबीच फेन बलगर कोष बनैना जरूरी रहल बटैलै ।

मधेस प्रदेशके मुख्यमन्त्री कृष्णप्रसाद यादव प्रदेशके सहकार्य ओ साभा अवधारणा बनाके विकास ओ समृद्धिहे आघे बहाइ पर्नामे जोड डेले बटै । उहाँ अन्तरप्रदेश साभेदारीके विषयहे जोड डेटी प्रदेशबिच साभा लगानीके विषय खोजके काम करे पर्ना आँल्याइल रहित ।

सम्मेलनके सभापतित्व ग्रहण करल कोशी प्रदेशके मुख्यमन्त्री हिक्मतकुमार कार्की आब प्रदेश सरकारसे गुनासो किल नैहोके, आपन अधिकारभिट्टर रहीके काम फेन आघे बहाइ पर्ना अवस्था रहल चर्चा करल रहित । संघीयता कार्यान्वयनमे डेखल जटिलताके विषयमे निष्कर्ष निकरटी प्रधानमन्त्रीसम पुगाके छलफल कैना उहाँ बटैलै ।

मुख्यमन्त्री कार्की उहीसे आघे

मन्ठा । पूर्वैया थारू बौद्ध पहिचान भल्कैठा । लेखक, अनुसन्धानकर्ता, सामाजिक काइकर्ता ओ स्वयम थारू समुदायके फरक फरक विचार बटिन । थारू समाजके संस्कार, संस्कृति, रितिरिवाजहे विश्लेषण करेसेक्ना शिक्षित थारू युवा हप्ते प्रकृति पूजारी, प्राकृतिक धर्म मन्ठी कैहके दावी कर्ठा । हिन्दु धर्म, बौद्ध धर्म, प्रकृति धर्म मन्ना थारू कौन कौन जिल्लामे कत्रा बटा कौनो दस्तावेज नैहो । प्रत्येक १०/१० वर्षमे प्रकाशित हुइना राष्ट्रिय जनगणनाके तथ्याक्तमे थारू जाति हिन्दु धर्मावलम्बी हुइत कैहके तथ्यांक प्रस्तुत करठ । धार्मिक विचलन आके फरक फरक संस्कार, ओ संस्कृति अपनाइ लगला । हप्ते कौन कौन देवी देउताहे पूजा करठी, हमार संस्कृति, संस्कार, रितिरिवाज, छयाला/जुटौला कैना चलन कौन परिवेशमे सिर्जना हुइल ओ कैसिक लैजाइ पर्ना हो, आब ओकर काम बटिस कि नइ कैहके वास्तविक ज्ञान चेतनाके कारण थारू समाजके सामाजिक, साँस्कृतिक, विकास हुइ नै सेकठो । गाउँ-गाउँ, घर-घरमे मेर-मेरीक धर्म, मेरमेरीक संस्कार अपनैटि बटा । बर्का भारी भारी थारू गाउँमे छोट-छोट सामाजिक, धार्मिक, साँस्कृतिक समुह गठन हुइति बा । पूजा पाठ कैनक नाउँमे मरुवा, चर्च, मन्दिर, आश्रम, बाबाधाम भेटे जाइ लगला । भ्रारफुक कराइक लग थारूके गुरुवा, पहाडीनके पण्डित्वा, क्रिश्चियनके गुरु, मस्जिदके अल्लाह सबजनहज भेटे सिख रहला । मरुवाठान (भूइह्यार) के योगदान थारू समुदायके सामाजिक, साँस्कृतिक विकास कैना कत्रा रहिस सबजाने बिसरा ढरला ।

अन्तमे, आस्था ओ विश्वास जिहिहे कर्वाँ, उहे नै ओकर लग मरुवाठान (मन्दिर) हो । ओकर लग धर्म उहे हुइस । उहे धर्म मान्के उ आपन समाज, आपन मेरिक संस्कार, समाज चिन्हैना संस्कृति बनाइ सेकठ ।

निष्कर्ष

थारू समुदाय, विश्वव्यापीकरण, आधुनिकीकरण, राज्यके नीति नियमसे सबसे ढेर पीडित बा । आपन समाजके संस्कार, साँस्कृतिक महत्व ओ वैज्ञानिकता बुझ्ने नैसेक्के धार्मिक परिवर्तनमे लागल बटा । केउ कहे नै सेकठ कि थारू समुदायके धर्म का हो ? लावा अनुहार, युवा पिढी, आपनहे हिन्दु धर्मावलम्बी

खोजब टे सोनेम फेन मग-मगैना बास आइ सेकठ । हप्ते रहब, हमार थारू समाज रहि, हमार थरुहट रहि । जय गुर्वाबा ।

सन्दर्भ समाग्री

गुनरत्ने, अर्जुन, २०५५, आधुनिकीकरण, राज्य ओ थारूके जातीय पहिचानके निर्माण, द जर्नल अफ एसियन स्टडीज, भोलुम ५७, एसोसियन फर एसियन स्टडीज, www.jstor.org/stable/२४८७४० म्याकडोन, क्रिश्चियन, २०५६, सन १९८०-१९९३ को अवधीमा देखिएको पश्चिम नेपाल दाङ जिल्लाको थारू समुदायको सामाजिक, साँस्कृतिक परिवर्तनका पक्षहरु, नेपालका थारू र यसका छिमेकीहरु, बिबिलियोथेका हिमालय, काठमाडौं: इएमआर प्रकाशन । विष्ट, डोर बहादुर, २०६२, सबै जातको फुलवारी, ललितपुर: हिमाल बुक्स ।

चौधरी, ऋषिराम, २०६८, दंगौरा थारू जातिमा गुरुवाको भूमिका : दाङ जिल्लामा गरिएको एक अध्ययन, अप्रकाशित थेसिस, त्रिभुवन विश्वविद्यालय, मानविकी तथा सामाजिक, शास्त्र संकाय, समाजशास्त्र/मानवशास्त्र विभाग, पाटन क्याम्पस, ललितपुर । चौधरी, सुरेश, २०६८, नेपाल राज्यको आधुनिकीकरण र सिमान्तीकृत हुँदै गैरहेको थारूहरुको पहिचान सम्बन्धी थारूवान ग्रान्त्समा गरिएको एक अध्ययन, अप्रकाशित अनुसन्धान, सामाजिक समावेशीकरण अनुसन्धान कोष, एसएनभी नेपाल, ललितपुर ।

सर्वहारी, कृष्णराज, २०६९, थारू गुन्वार मन्त्र ज्ञान, काठमाडौं: थारू पत्रकार संघ नेपाल । <http://ecs.com.np/page-turner/shamanic-solitudes-ecstasy-madness-and-spirit-possession-in-the-nepal-himalayas>, खोज काइ: २०७० भदौ २२ गते दिनके ५ बजे ।

(स्रोत: बिहान वार्सिक)

लेखक युनिभर्सिटी अफ वाइनिज एकाडेमी अफ साइन्स, छन्दु, चीनसे पिएचडि ओरवइति बटौ ।

(यी लेख पहुरा दैनिक ओ पहुरा अनलाइनमे २०७७ जेठ ६ गते प्रकाशित हुइल रहे । कलेसे पुनः प्रकाशित कैगिल बा ।)

मानव-वन्यजन्तु द्वन्द्व न्यूनीकरण कैना पूर्वसूचना प्रणाली

कञ्चनपुर, ३१ कुँवार । कञ्चनपुरके भीमदत्त नगरपालिका-१९ मे मानव-वन्यजन्तु द्वन्द्व न्यूनीकरण कैना पूर्वसूचना प्रणाली जडान करल बा । शुक्लाफाँटा राष्ट्रिय निकुञ्ज किनारके बस्तीमे मानव-वन्यजन्तु जोखिम न्यूनीकरणके लाग भीमदत्त नगरपालिका ओ कनेक्ट परियोजनाके सहयोगमे पूर्वसूचना प्रणाली (साइरन) जडान करल हो ।

भीमदत्त-१९ के वडाध्यक्ष जगुराम थारू चौधरी कहलै, ‘पूर्वसूचना प्रणालीसे निकुञ्जसे जङ्गली जनावर बस्ती प्रवेश करेबर साइरन बजठ ओ मोबाइलमे सन्देश आइठ । इहीसे मानव वन्यजन्तु द्वन्द्व न्यूनीकरणमे सहयोग पुगठ ।’

उहाँ रातके समयमे जङ्गली हाठी, गैंडालगायत वन्यजन्तु बस्ती प्रवेश कैके अन्नबालीमे क्षति कैना करल ओरसे इ प्रणाली प्रभावकारी हुइना विश्वास व्यक्त करल बटै । उक्त प्रणालीसे हाठी, बाघ, चितुवा, नीलगाईलगायत वन्यजन्तुके सम्भावित जोखिमबारे समयमे सूचना डेके स्थानीयहे सतर्क हुइना सहयोग कैना वडाध्यक्ष चौधरीके

कहाइ रहल बा ।

कनेक्ट परियोजनाके प्रमुख मनोजप्रसाद ओझा मानव-वन्यजन्तु सह-अस्तित्वके लाग पूर्वसूचना प्रणाली प्रभावकारी हुइना बटैलै । ‘पूर्वसूचना प्रणालीमे क्यामेरा जडान करल बा, निकुञ्जसे जङ्गली जनावर बस्ती पेलेबर फोटो खिचठ ओ साइरन बजठ,’ उहाँ कहलै, ‘निकुञ्जके कर्मचारी, सेनाके सुरक्षा पोष्ट ओ बस्तीका मनै सहित ४० जनहनके मोबाइलमे सन्देश आइठ ।’

उहाँ इहीसे वन्यजन्तुसे हुइना क्षति न्यूनीकरणके लाग महत्वपूर्ण सहयोग पुना बटैलै । कनेक्ट परियोजना ओ भीमदत्त नगरपालिकाके करिब १० लाख साभेदारीमे उक्त प्रणाली जडान करल उहाँ बटैलै ।

शुक्लाफाँटा राष्ट्रिय निकुञ्जसे रातके समयमे जङ्गली हात्ती, चितुवा, गैंडा ओ बँदेल किसानके अन्नबालीमे ढेर नोक्सानी पुगैटी आइल बटै । किसानसे पूर्वसूचना पाइबर बाली बचैना ओ सुरक्षित रहना सहयोग पुना विश्वास करल बा ।

आरके थारू ...

लक्ष्मी राना, समीक्षा चौधरी, मोडल मधु चौधरी तथा होस्ट एवं गायक अनुप मगर लगायत कलाकारहुकनके सहभागिता रहे ।

कार्यक्रममे लाइभ कन्सर्ट, साँस्कृतिक नृत्य, स्थानीय कलाकारहुकनके प्रस्तुति तथा डान्स मनोरञ्जनसमेत रहे ।

मिटुस घोडगी स्टेशन प्रालिसे थारू समुदायके मौलिक पहिचान, परम्परा, खानपान, भेषभूषा, कला ओ संगीतहे नयाँ पुस्तामाभ परिचित करैटी साँस्कृतिक पर्यटन तथा स्थानीय प्रतिभाके विकासमे योगदान पुगैना लक्ष्य राखल बा ।

यी अभियानके निरन्तरताके रुपमे आयोजना हुई लागल स्थानीय कलाकारहे व्यावसायिक मञ्च प्रदान कैनाके साथे युवा पुस्ताहे अपन संस्कृति ओ पहिचानसँग जोरना विश्वास

आयोजक लेले बा ।

आयोजकसे साँस्कृतिक उत्सवहे मनोरञ्जनमे केल्ह सीमित नैराखके सामाजिक उत्तरदायित्वसँग जोरना उद्देश्य राखल राजाराम चौधरी जानकारी डेलै ।

रसुवाके बाढपीडितहे सहयोग कैना अभियानहे प्राथमिकतामे रछटी मानवीय सहयोग, सामाजिक एकता ओ परोपकारी भावनाके प्रवर्धन कैना लक्ष्यसमेत कार्यक्रमसे लेहल बा ।

कार्यक्रममे मुख्य आकर्षण आरके थारूके संघातीके प्रस्तुती, थारू साँस्कृतिक नृत्य सखिया, होरी, मुडग्रहवा, भुम्प्रा रहे । आरके थारू ओ सांघातीके आयोजनामे हुइल कार्यक्रमके लाग २५० रुपया टिकटसे उठल रकमके १० प्रतिशत रकम रसुवा बाढी प्रभावितहे हस्तान्तरण कैना व्यवस्थापक चौधरी जानकारी डेलै । कार्यक्रमके हस्पाटालिटी पार्टनरमे होटल बसेरा ओ माछा घर रहल रहे ।

“लैडिगक समानताके लाग समान सोच
ओ व्यवहार: समृद्धिके आधार”

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग

उपचार हुने रोगहरु

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुस्खे, पेट दुस्खे समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुस्खे तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार

ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ८ देखि साँझ ५ बजेसम्म)



डा. सुमन चौधरी

MBBS, MD (KU)
NMC No. 15308

कन्सल्टेन्ट फिजिसियन



धनगढी

संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.

९ (राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी-५) ☎ सम्पर्क नं. ०९१-५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

सुप विश्वविद्यालयके आठ पदमे लावा नेतृत्व

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ३१ कुँवार । सुदूरपश्चिम विश्वविद्यालयसे टमान सङ्घाय, केन्द्र ओ केन्द्रीय क्याम्पसके नेतृत्व सम्वन्ध मेरके आठ प्राध्यापकह लावा जिम्मेवारी डेले बा ।

विश्वविद्यालय कार्यकारी परिषद्के कुँवार २८ गते बैठल बैठकसे पदाधिकारी सिफारिस समितिके सिफारिसके आधारमे रिक्त पदमे नियुक्ति कैना निर्णय करल हो ।

नियुक्ति अनुसार व्यवस्थापन सङ्घायके डिनमे सहप्राध्यापक डा. शिवप्रसाद सापकोटा, शिक्षाशास्त्र सङ्घायके डिनमे सहप्राध्यापक डा. नाथुराम चौधरी तथा विज्ञान तथा प्रविधि सङ्घायके डिनमे सहप्राध्यापक डा. प्रेमसिंह साउद नियुक्त हुइल विश्वविद्यालयके सूचना अधिकारी नविनबहादुर बम जानकारी डेले ।

ओस्टके स्वास्थ्य विज्ञान सङ्घायके डिनके जिम्मेवारी सहप्राध्यापक डा.

डबलबहादुर धामीहे डेहल बा । मानविकी तथा सामाजिकशास्त्र सङ्घायके डिनमे प्राध्यापक डा. राजेन्द्रप्रसाद भट्ट नियुक्त हुइल बटै ।

विश्वविद्यालय अन्तर्गतके दुई केन्द्रके नेतृत्व फेन परिवर्तन हुइल बा । अन्तर्राष्ट्रिय सम्बन्ध केन्द्रके निर्देशकमे सहप्राध्यापक डा. महेन्द्रराज जोशी ओ भाषा, साहित्य तथा संस्कृति केन्द्रके निर्देशकमे प्राध्यापक डा. हरिशचन्द्र भट्ट नियुक्त हुइल विश्वविद्यालय जनैले बा ।

ओस्टके विश्वविद्यालयके केन्द्रीय क्याम्पसके प्रिन्सिपलमे डा. दीपकचन्द्र भट्ट नियुक्त हुइल बटै ।

सुदूरपश्चिममे एमबीबीएस पहाड हुइना सुदूरपश्चिममे पहिलचो एमबीबीएस पहाड हुइना हुइल बा । कैलालीके गेटास्थित शहीद दशरथ चन्द स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालयसे शैक्षिक सत्र २०८३/८४ मे एमबीबीएस अध्यापनके लाग ५० सिट पैले बा ।

चिकित्सा शिक्षा आयोगसे विश्वविद्यालयमे एमबीबीएस कार्यक्रम सञ्चालन करक लाग ५० सिट निर्धारण करलसँगे सुदूरपश्चिममे चिकित्सक उत्पादन कैना वर्षौक प्रतीक्षा पूरा हुइना डगरा खुल्ल बा ।

प्रधानमन्त्री बालेन्द्र शाहके अध्यक्षतामे बैठल चिकित्सा शिक्षा आयोगके सिट निर्धारण करल हो । आयोगसे गत बरसके तुलनामे इ बरस चिकित्सा शिक्षाके टमान कार्यक्रममे ४१८ सिट थप करल जनाइल बा । इ बरस एमबीबीएस ओर किल ११० सिट थपल बावै । गेटासे एमबीबीएससहित नर्सिङ, मेडिकल ल्याब टेक्नोलोजी ओ अप्टोमेट्री विषयमे समेत अध्यापनके लाग सिट माग करल रहे ।

विश्वविद्यालयके उपकुलपति डा. सुनीलकुमार जोशीके अनुसार एमबीबीएसमे ५०, नर्सिङमे २०, बीएस्सी एमएलटीमे १० ओ बी अप्टोमेट्रीमे १० सिट पाइल जानकारी डेले बटै ।

सत्य ओ सुशासनके डगरामे आघे बही: प्रधानमन्त्री शाह

पहुरा समाचारदाता

काठमाडौं, ३१ कुँवार । प्रधानमन्त्री बालेन्द्र शाह डसँके अवसरमे सम्पूर्ण नेपालीमे सुख, शान्ति, समृद्धि ओ आरोग्यके शुभकामना व्यक्त करले बटै ।

डसँके अवसरमे शुभकामना सन्देश जारी कैटी उहाा डसँसे विश्वभर रहल नेपालीहे एकताबद्ध कैटी हरेक घरमे उत्सव ओ उमङ्ग लाने कना कामना करले बटै ।

प्रधानमन्त्री शाह डसँहे धार्मिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक महत्त्व बोकल एकता, आत्मीयता ओ पारिवारिक मिलनके पर्वके रूपमे

उल्लेख करले बटै । बरवार जनहनसे टीका ओ जेउरा ग्रहण कैके आशीर्वाद लेना परम्परासे छोटहे माया ओ बरवारहे आदर कैना नेपाली मौलिक संस्कारहे प्रतिबिम्बित कैना उहाँके कहाइ रहल बा ।

टमान सङ्घटपूर्ण परिस्थितिमे फेन नेपालीसे धार्मिक, सांस्कृतिक तथा सामाजिक मूल्यमान्यता ओ मौलिकताके जगेना कैटी टरटिहार मनैटी आइल उल्लेख कैटी उहाँ इ बरस रसुवा, नुवाकोट ओ गोरखालगायतके स्थानमे हुइल विपद्के घटनाप्रति दुःख व्यक्त करले बटै । उहाँ ज्यान गुमुइयाप्रति

श्रद्धाञ्जली अर्पण कैटी शोकसन्तप्त परिवारमे समवेदना तथा घाइतेके शीघ्र स्वास्थ्यलाभके कामना करले बटै ।

प्रधानमन्त्री शाह विस्थापित नागरिकके पुनःस्थापनाके लाग सरकारसे काम करटी रहल जानकारीसमेत डेले बटै ।

डसँहे असत्यमाथि सत्य ओ आसुरी प्रवृत्तिउपर दैवी शक्तिके विजयके प्रतीकके रूपमे व्याख्या कैटी उहाँ सक्कु जनहनहे सत्यके डगरामे नेगना ओ आपन भितरके नकारात्मक प्रवृत्तिउपर विजय प्राप्त कैना प्रेरणा मिले कना कामना करले बटै ।

जुवातास खेलनु र खेलाउनु कानूनी अपराध हो

जुवातास खेले वा खेलाएमा, मुलुकी अपराध संहिता, २०७४ को दफा १२५ मा

- ❖ पहिलो पटक खेलने वा खेलाउनेलाई तीन महिनासम्म कैद वा तीस हजारसम्म जरिवाना,
- ❖ दोश्रो पटकमा एक वर्षसम्म कैद र पचास हजार रुपैयासम्म जरिवाना,
- ❖ त्यसपछि हरेक पटक थप तीन महिनासम्म कैद र दश हजार रुपैयासम्म जरिवाना,
- ❖ जुवा खेलन प्रयोग भएको साधन, जुवाखालमा प्राप्त सम्पूर्ण चल अचल सम्पति जफत हुनेलागायतका कानूनी व्यवस्था छ ।



त्यसैले जुवातास नखेलौं-नखेलाऔं ।



नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

Provide Health Related Services

डा. अकाश राउत
MBBS, MD (TU), Internal Medicine
Senior Consultant Physician
NMC NO. 20304
आउने समय : प्रत्येक दिन (२४ घण्टा)

रोवाहरु:

- ✓ मधुमेह(सुगर)
- ✓ थाइराइड रोग
- ✓ पेट,मुटु तथा छातिरोग
- ✓ कलेजी रोग
- ✓ TB, हेपाटाइटिस रोग
- ✓ ब्लडप्रेसर तथा हृदयरोग
- ✓ मोटोपना

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाला सेवाहरु : १) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याबिन ।
२) स्त्री रोग तथा प्रसूती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गडबडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेसन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठगुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठगुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किडनीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेसन तथा पित्तथलीको पत्थरी अपरेसन) । ४) हाड/जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गे, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेसिनबाट हड्डीको अपरेसन)छाती, मुटु, कलेजी तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पनु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरु, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा भ्रमभ्रमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अपरेसन आदि सेवा ।

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली
फोन नं. ०९१-४२४५५४, ४२४६५४, ४२९२४९

हार्दिक मंगलमय शुभकामना

हिन्दू धर्मावलम्बीहरुकके बरका टिहुवार डसिया ओ डेवारी २०८३ सालके पावन अवसरमे सक्कु वनप्रेमी, संरक्षणकर्मी तथा नेपाली डाडुभैया, डिडीबहिनिचाहुकनमे सुख, शान्ति, समृद्धि सु-स्वास्थ्य एवम् उत्तरोत्तर प्रगतिके हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करटी ।

वनजंगल सार्वजनिक सम्पति हो, जथाभावी रुख नकाटी ।
वनजंगलके संरक्षण करी, वन पर्यावरण प्रवर्द्धनमे देवा पुजाई ।

प्रगतिशिल सावउस परिवार

भजनी नपा-४, धनौरा, कैलाली

हार्दिक मंगलमय शुभकामना

हिन्दू धर्मावलम्बीहरुकके बरका टिहुवार डसिया ओ डेवारी २०८३ सालके पावन अवसरमे सक्कु वनप्रेमी, संरक्षणकर्मी तथा नेपाली डाडुभैया, डिडीबहिनिचाहुकनमे सुख, शान्ति, समृद्धि सु-स्वास्थ्य एवम् उत्तरोत्तर प्रगतिके हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करटी ।

वनजंगल सार्वजनिक सम्पति हो, जथाभावी रुख नकाटी ।
वनजंगलके संरक्षण करी, वन पर्यावरण प्रवर्द्धनमे देवा पुजाई ।

भुर्का भुर्की सावउस परिवार

घोडाघोडी-१०, लठैया, कैलाली

चाडपर्व मनाऔ: सामाजिक सद्भाव कायम राखौं

- ❖ आ-आफ्ना धर्म, संस्कृति, परम्परा र मौलिकताको सम्मान गर्दै चाडपर्व मनाऔं,
- ❖ चाडपर्वका अवसरमा परिवार, आफन्त र समुदायबीच प्रेम, सद्भाव र भाइचारा बढाऔं,
- ❖ धार्मिक तथा सांस्कृतिक विविधतालाई साझा सम्पत्तिका रूपमा सम्मान गरौं,
- ❖ चाडपर्वका नाममा हुने भेदभाव, वैमनस्यता, झै-झगडा र हिंसाबाट टाढा रहौं,
- ❖ सामाजिक सञ्जालमा घृणा, अफवाह तथा विभाजनकारी सामग्री फैलाउने कार्य नगरौं,
- ❖ मितव्ययी, सुरक्षित र सभ्य ढंगले आपसी सम्मान र सद्भावकासाथ चाडपर्व मनाऔं ।

चाडपर्वको खुसी बाँडौं, सामाजिक सद्भाव र राष्ट्रिय एकता बलियो बनाऔं ।

घोडाघोडी नगरपालिका

३ नं. वडा कार्यालय

निम्दी, कैलाली

